एच ओ सी एल –
राजभाषा कार्यान्वियन एवं गतिविधियां
2024-2025

हिंदी पखवाड़ा समारोह - 2024

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा संघ सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को प्रोत्साहित करने एवं उत्कृष्ट कार्यान्वयन किए गए सरकारी संगठनों को पुरस्कार प्रदान करने के लिए 14-15 सितम्बर 2023 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में हिन्दी दिवस एवं तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया है। माननीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने उद्‌घाटन किया। इस सम्मेलन में राज्यसभा के उपाध्यक्ष, संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष, सांसदों, राजभाषा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और देश भर के विविध संस्थानों के निदेशकों और स्वायत्त निकायों के अध्यक्ष एवं सी ई ओ, उपक्रमों के सीएमडी सहित भाषा से जुड़े पूरे भारत के कर्मियों ने बड़ी तादाद में भाग लिया। इस कार्यक्रम में हमारे कार्यालय से अधिकारियों ने भाग लिया।

इसी कड़ी में सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने के लिए एक उत्साहवर्धक वातावरण सृजित करने हेतु तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हिंदी के प्रति लगन एवं जागरूकता उत्पन्न करने के लिए एचओसीएल में 14 से 29 सितंबर 2024 तक हिंदी पखवाड़ा समारोह का आयोजन किया गया है। समारोह के दौरान कर्मचारियों, निकटस्थ सरकारी स्कूल के छात्रों और इकाई के कर्मचारियों के बच्चों के लिए विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए कार्यशालाएं चलायी गयी और उनको कंप्यूटर प्रशिक्षण भी दिए गए। कर्मचारियों के लिए आयोजित प्रतियोगिताओं में सलेख, प्रश्नोत्तरी, हिंदी टंकण, श्रुत लेख, सुगम संगीत, रचना कार्य-यात्रावृत्त, शब्दावली, टिप्पणी और अनुवाद आदि शामिल थे। सरकारी बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, त्रिपुनिथुरा के छात्राओं के लिए वाचन और लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कर्मचारियों के बच्चों के लिए वाचन प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी। सभी ने हिंदी प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्व से भाग लिया। 04 नवम्बर 2024 को आयोजित समापन समारोह में श्री एम जे जगदीश - मुख्य महा प्रबन्धक (इंजीनियरिंग/उत्पादन/मानव संसाधन) एवं फैक्टरी प्रबन्धक, श्रीमती सिन्धू डी - मुख्य महा प्रबंधक (फायर एंड सेफ़्टी/क्यूसी/टीएसएस), श्री अभिलाष आर - मुख्य प्रबन्धक (मानव संसाधन) आदि ने पुरस्कारों का वितरण किया।

मंत्रालय द्वारा कोची कार्यालय का राजभाषा निरीक्षण

राजभाषा कार्यान्वयन को अधिक प्रभावी एवं कारगर बनाने में निरीक्षण का अपना महत्व है। कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में हुई प्रगति का जायजा लेने और कार्यान्वयन सुगम बनाने में निरीक्षण अनिवार्य है। रिपोर्ट के ज़रिए प्राप्त जानकारी एवं आँकड़े से कार्यान्वयन की प्रगति समझने के साथ-साथ निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में आनेवाली बाधाओं और उन्हें दूर करने संबंधित उपायों पर चर्चा एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए निरीक्षण हमेशा फायदेमंद सिद्ध होता है। राजभाषा विभाग द्वारा ज़ारी वार्षिक कार्यक्रम में यह निर्देश दिया गया है कि मंत्रालयों/विभागों के संबंधित अधिकारियों/वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा केंद्र सरकार के कार्यालयों का समय- समय पर राजभाषा संबंधी निरीक्षण राजभाषा अनुभाग के अधिकारियों के साथ किया जाए।

इसके अनुपालनार्थ रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग के संयुक्त निदेशक (राजभाषा) श्री राकेश कुमार ने 14 जनवरी 2025 को हमारी कंपनी का राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया। निरीक्षण के पहले प्रश्नावली भरकर विभाग को दी गयी थी। निरीक्षण के दौरान कंपनी में राजभाषा के फाईल एवं दस्तावेज़ों की जांच की गयी। इसके बाद विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों, वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गयी। इसमें संयुक्त निदेशक ने राजभाषा कार्यान्वयन के विविध विषयों पर विस्तार से बताया और इसको अधिक कारगर बनाने के लिए उपचारात्मक उपाय दिए गए।

कंपनी के कार्यपालक निदेशक एवं इकाई प्रभारी श्री एम जे जगदीश ने प्रस्तुत बैठक में कंपनी में राजभाषा के प्रयोग पर अपना विचार रखा। संयुक्त निदेशक ने अधिकारियों के सवाल पर उत्तर एवं सुझाव दिए और कंपनी में राजभाषा कार्यान्वयन पर अपनी संतुष्टि प्रकट की।

नई दिल्ली में हिंदी दिवस और चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन

वर्ष 2024 का हिंदी दिवस एवं चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 14 एवं 15 सितंबर 2024 को संपन्न हुआ। राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित इस भव्य एवं गरिमामयी समारोह का उद्घाटन माननीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में आपने कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रचार प्रसार केवल अन्य भारतीय भाषाओं के साथ ही होगा। इसीलिए राजभाषा विभाग के पूरक अनुभाग के रूप में भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना की जा रही है। इस अनुभाग के माध्यम से हिंदी और अन्य भाषाओं के बीच का संबंध ओर सुदृढ़ होगा और समन्वय कार्य सुगम होगा। राजभाषा इन सभी भाषाओं के बीच संपर्क भाषा की भूमिका निभाएगी। आपने कहा कि हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार करने के लिए हिंदीतर भाषा सेवियों की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। इसी भूमिका को हम आगे बढ़ा रही है। राजभाषा के हीरक जयंती के पावन अवसर पर स्मारक सिक्के और स्मारक डाक टिकट का लोकार्पण आपने किया। आपके द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन में पुरस्कार प्राप्त कार्यालय/मंत्रालय/बैंकों/उपक्रमों और नराकासों के लिए पुरस्कार वितरण भी किया गया। राज्य सभा के उप सभापति श्री हरिवंश सिंह, संसदीय राजभाषा समिति के उपाध्यक्ष श्री भर्तृहरि महताब, गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय और श्री बंडी संजय कुमार मंच पर उपस्थित थे। भाषा विभाग के सचिव सुश्री अंशुली आर्या ने स्वागत भाषण दिया और संयुक्त सचिव डॉ मीनाक्षी जौली ने धन्यवाद अदा किया।

उदघाटन सत्र और मध्याह्न भोजन के बाद 'राजभाषा हीरक जयंती: विगत 75 वर्षों में राजभाषा, जनभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की प्रगति' विषय पर सेमिनार संपन्न हुआ। इसमें राज्यसभा के उपाध्यक्ष श्री हरिवंश सिंह, संसद सदस्य डॉ. सुधांशु त्रिवेदी और पूर्व गृह राज्य मंत्री श्री अजय कुमार मिश्रा ने सार्थक एवं गंभीर विचार व्यक्त किए। सेमिनार में राजभाषा के रूप में हिंदी की प्रगति के विविध आयामों,

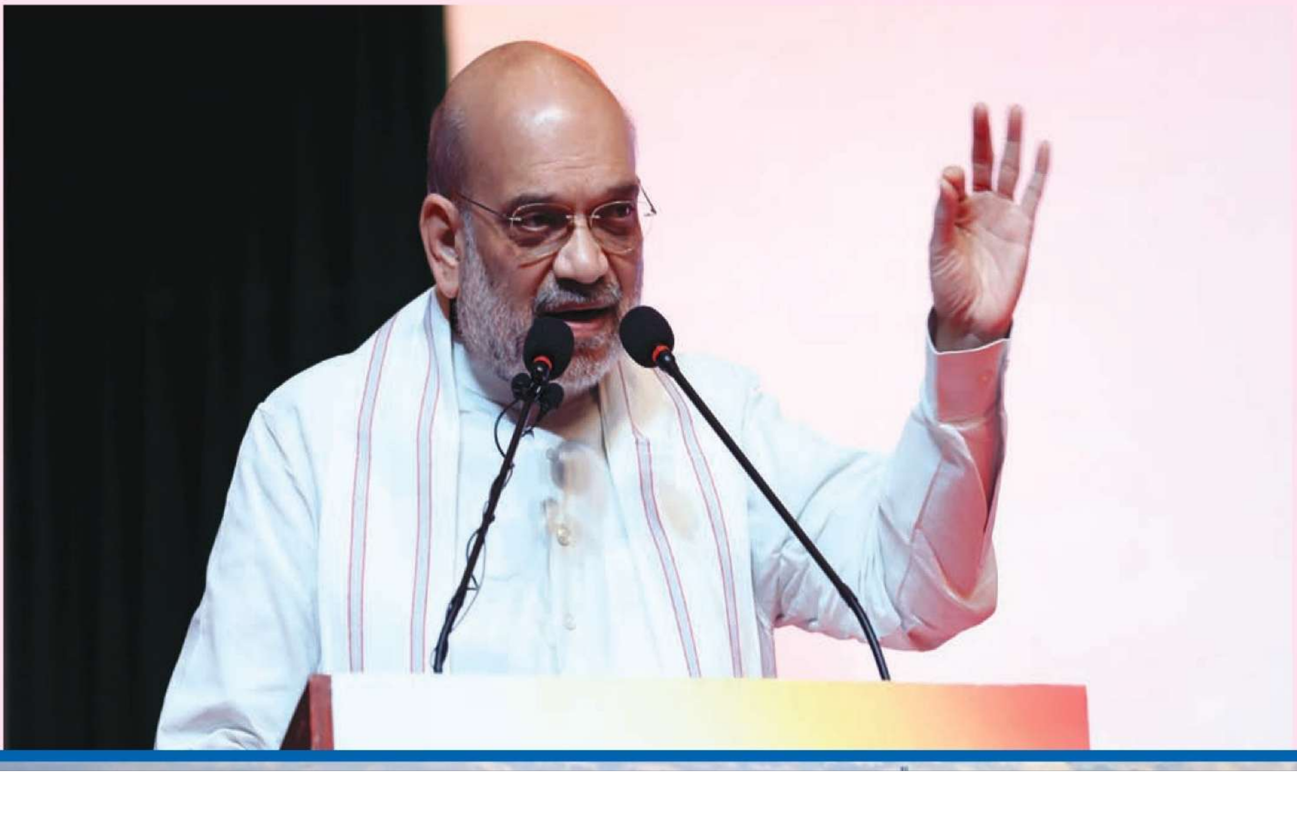

चरणों और विश्व भाषा के रूप में हिंदी की पहचान होने की विकास यात्रा पर विस्तार से उल्लेख हुआ।

शाम को संपन्न तीसरे सत्र में 'भारत की सांस्कृतिक विरासत और हिंदी' पर डॉ कुमार विश्वास, लोकप्रिय हिंदी कवि एवं व्याख्याता ने अपनी बातें रखी। अपने संबोधन में कविता के माध्यम से हिंदी की ऐतिहासिक परंपरा एवं वर्तमान स्वीकार्यता पर आपने उल्लेख किया।

सेमिनार के दूसरे दिन की शुरुआत 'भाषा शिक्षण में शब्दकोश की भूमिका एवं देवनागरी लिपि का वैशिष्ट्य' पर संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण सत्र प्रोफेसर विमलेश कांति वर्मा - भाषाविद्, प्रोफेसर गिरीशनाथ झा - अध्यक्ष, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग, प्रोफेसर सुनील बाबू राव कुलकर्णी - निदेशक केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा, डॉ इसपाक अली - लेखक एवं शिक्षाविद् बेंगलुरु और प्रोफेसर एस तंकमणि अम्मा - भाषाविद्, केरल विश्वविद्यालय ने भाग लिया। हिंदी में शब्दकोश की भूमिका एवं देवनागरी लिपि के गुण पर अहम प्रस्तुति हुई।

दूसरा सत्र 'नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) के योगदान' पर रहा था। इस सत्र का उद्घाटन माननीय केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय ने किया। आपने राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन में नराकास की भूमिका एवं योगदान पर अपना विचार रखा। डॉ अम्लान त्रिपाठी - प्रधान आयकर आयुक्त कोलकाता, श्री अतुल कुमार गोयल - प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, पंजाब नेशनल बैंक, श्री अजय कुमार श्रीवास्तव - प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, इंडियन ओवरसीज बैंक ने भाषण दिया।

मध्याह्न भोजन के उपरांत माननीय केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल की अध्यक्षता में 'भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 पर परिचर्चा संपन्न हुई। अपने भाषण में माननीय मंत्री ने इस प्रकार के नियम बनाने की आवश्यकता एवं गुलामी की मानसिकता से मुक्ति और भारतीय संदर्भ में न्याय की नई परिकल्पना पर विशेष बल दिया। प्रोफेसर संगीत रागी लेखक एवं कवि ने विधि को भारतीय संदर्भ में लाने की मांग पर ज़ोर दिया और उपनिवेशवाद से मुक्ति संबंधी अपना विचार प्रकट किया।

चौथे सत्र में 'हिंदी भाषा के विकास का सशक्त माध्यमः भारतीय सिनेमा' पर मशहूर अभिनेता श्री अनुपम खेर ने अपनी बातें प्रकट की। प्रसिद्ध फिल्म निर्माता एवं निर्देशक श्री चंद्रप्रकाश द्विवेदी ने अभिनेता से प्रश्न और सवाल तरीके में इस सत्र को आगे बढ़ाया। श्री अनुपम खेर ने अपने फ़िल्मी कैरियर में हिंदी की भूमिका एवं अंग्रेजी के वर्चस्व पर तीखी टिप्पणी दी।

प्रतिभागियों की बडी तादाद में उपस्थिति इसके पहले किसी भी सेमिनार में नहीं थी। ही नहीं, दोनों दिन के प्रतिभागियों ने पूरे सत्र में भाग लिया। इस अवसर पर विविध कार्यालयों/ संगठन/ बैंकों/ उपक्रमों की प्रदर्शन भी लगी थी। पुस्तकों का लोकार्पण और अन्य कार्य भी साथ ही सम्पन्न थे। राजभाषा के प्रचार प्रसार को बढ़ावा देने और हिंदी के महत्व को उजागार करने में सेमिनार सफल सिद्ध हुआ।

कर्मचारियों के लिए हिन्दी कंप्यूटर प्रशिक्षण

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं सरकारी कार्यों में इसके अधिकाधिक प्रयोग को प्रोत्साहित करने हेतु हमारी कंपनी में 11 से 13 मार्च 2025 तक हिंदी कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य कर्मचारियों को हिंदी टाइपिंग, यूनिकोड, राजभाषा टूल्स तथा कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने की दक्षता प्रदान करना और उनको प्रेरणा एवं प्रोत्साहन देना था।

प्रशिक्षण में हिंदी टाइपिंग, यूनिकोड एवं की-बोर्ड लेआउट, राजभाषा सॉफ्टवेयर एवं टूल्स, ऑनलाइन हिंदी संसाधन तथा हिंदी में ई-मेल एवं पत्राचार जैसे विषयों को शामिल किया गया। प्रतिभागियों ने हिंदी टाइपिंग टूल्स, इनस्क्रिप्ट एवं फोनेटिक लेआउट, राजभाषा सॉफ्टवेयर, ऑनलाइन टंकण एवं अनुवाद टूल्स तथा कार्यालयी हिंदी पत्राचार का अभ्यास किया।

प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। उन्होंने हिंदी टाइपिंग एवं सॉफ्टवेयर

के प्रति विशेष रुचि दिखाई तथा भविष्य में इस प्रकार के प्रशिक्षण जारी रखने की मांग की।

तीन दिवसीय यह प्रशिक्षण अत्यंत सफल रहा, जिससे प्रतिभागियों को हिंदी में कंप्यूटर पर कार्य करने की दक्षता प्राप्त हुई। इससे कार्यालय में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा मिलेगा और कार्यों की गति में सुधार होगा।

विश्व हिंदी दिवस 2025

आजकल विश्व की प्रमुख भाषा के रूप में हिंदी को अधिक स्वीकार्यता प्राप्त हो रही है। भले ही संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषा में हिंदी शामिल नहीं है, इसको शामिल करने का प्रयास पिछले कई वर्षों से हो रहा है। इसमें वर्ष 2006 से प्रारंभ किए गए विश्व हिंदी दिवस की भूमिका महत्वपूर्ण है। विश्व भाषा के रूप में हिंदी के प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। 10 जनवरी 1975 को प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन भारत के नागपूर में सम्पन्न हुआ था। इसकी याद में विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2025 का थीम है 'एकता और सांस्कृतिक गौरव की वैश्विक आवाज'। यह हिंदी के माध्यम से भाषाई आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

एचओसीएल में 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। कर्मचारियों से अपने दैनिक कामकाज में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने, वार्तालाप में हिंदी का प्रयोग करने और बैठकों में हिंदी का इस्तेमाल के लिए अनुरोध किया गया। 09.01.2025 को कर्मचारियों के लिए हिंदी प्रश्नोत्तरी आयोजित की गयी और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

कंपनी द्वारा 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस पर श्रीशंकरा कॉलेज, कालड़ी में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन श्रीशंकरा कॉलेज, कालड़ी के प्राचार्य प्रो. (डॉ) अनिलकुमार एम. ने किया। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ रतीश सी नायर ने स्वागत भाषण दिया और कार्यकम के बारे में बताया और इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए हिन्दुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल्स लिमिटेड को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के लिए विश्व भाषा हिंदी, राजभाषा हिंदी और हिंदी में रोजगार की संभावनाएं पर कक्षा चलायी गयी। विश्व भाषा हिंदी विषय पर श्री पी के पद्मनाभन, वरिष्ठ प्रबंधक (प्रचालन) (सेवानिवृत्त) भारत पेट्रोलियम, कोयंबतूर ने कक्षा का संचालन किया। राजभाषा नीति और सूचना प्रौद्योगिकी विषय पर श्री के के रामचंद्रन, उप निदेशक (राजभाषा) (सेवानिवृत्त) आयकर विभाग,कोची ने कक्षा ली और श्री रमेश ओ, मुख्य प्रबन्धक (मानव संसाधन/राजभाषा) ने रोजगार पर जानकारी प्रदान की। इसके अतिरिक्त छात्रों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी चलायी गयी और विजेताओं को उपहार स्वरूप भारत 2024 नामक हिंदी किताबें भेंट की। इस विशेष कार्यक्रम में तकरीबन 50 से अधिक छात्र उपस्थित रहे। कॉलेज के अध्यापक बंधुओं के विशेष सहयोग से वर्ष 2025 का विश्व हिंदी दिवस धूम-धाम से मनाया गया। छात्रों ने कार्यक्रम के बारे में अपनी प्रतिक्रियाएँ व्यक्त की। श्री अरुण एम वी,वरिष्ठ हिंदी अधिकारी ने कंपनी का आभार व्यक्त किया।

संयुक्त हिंदी पखवाड़ा 2024-25 का उद्घाटन समारोह

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति प्रत्येक शहर में स्थित केंद्रीय सरकार के कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों आदि में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने और राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के मार्ग में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के लिए एक संयुक्त मंच है। इस मंच का उद्देश्य राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की समीक्षा करना, इसको बढ़ावा देना और इसके मार्ग में आनेवाली कठिनाइयों को दूर करना है। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा प्रतिवर्ष दो बैठकों का आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त राजभाषा के प्रयोग के प्रति जागरूकता पैदा करने और अनुकूल वातावरण बनाने के लिए प्रत्येक वर्ष राजभाषा समारोह/संगोष्ठी आयोजित की जाती है। समिति द्वारा अपने सदस्य कार्यालयों के लिए संयुक्त हिन्दी पखवाड़ा समारोह, संयुक्त हिन्दी कार्यशालाओं, राजभाषा अभिमुखीकरण कार्यक्रम आदि का आयोजन भी किया जाता है।

इस कड़ी में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), कोची के तत्वावधान में वर्ष 2024-25 के संयुक्त हिन्दी पखवाड़ा समारोह दिनांक 05 से 19 फरवरी तक मनाया गया। इसका उदघाटन 05.02.2025 को हमारी कंपनी/एचओसीएल में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उदघाटन एचओसीएल के निदेशक (वित्त) श्री योगेन्द्र प्रसाद शुक्ला ने किया। अपने भाषण में उन्होने राजभाषा के रूप में हिन्दी के महत्व और सबको जोडनेवाली भाषा और महा शक्ति के रूप में उभर रही भारत की भाषा के रूप में हिन्दी की स्वीकार्यता पर बात की। आपने नराकास(पीएसयू),कोची द्वारा आयोजित गतिविधियों की सराहना की और क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार हासिल करने के लिए बधाई दी। श्री एम जे जगदीश, कार्यपालक निदेशक एवं इकाई प्रभारी

ने समारोह की अध्यक्षता की। आपने राजभाषा हिन्दी के प्रचार- प्रसार में नराकास (पीएसयू),कोची की विशेष भूमिका का उल्लेख किया। श्री बी बालचन्द्रन, मुख्य महा प्रबन्धक (सामग्री/एमएसएस/ मानव संसाधन) ने अपने आशीर्वचन में राजभाषा हिन्दी को प्यार की भाषा कहते हुए सभी से अनुरोध किया कि अपने दैनिक कामकाज में हिन्दी का अधिक प्रयोग करें। किया। श्रीमती एम सी शीला, सदस्य सचिव, नराकास (पीएसयू), कोची ने उद्घाटन कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए एचओसीएल के प्रति आभार व्यक्त किया। आपने संयुक्त हिन्दी पखवाड़े के सफल आयोजन के लिए सभी सदस्य कार्यालयों के सहयोग एवं प्रोत्साहन पर आभार प्रकट किया। श्री अभिलाष आर,मुख्य प्रबन्धक (मानव संसाधन) ने राजभाषा की आवश्यकता और हिन्दी के विकास पर अपना विचार सांझा किया। श्री रमेश ओ, मुख्य प्रबन्धक (मानव संसाधन/राजभाषा) ने स्वागत भाषण दिया और श्री अरुण एम वी, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी ने शुक्रिया अदा की । उदघाटन सत्र के बाद तीन प्रतियोगिताओं यथा सुलेख, प्रशासनिक शब्दावली एवं टिप्पणी और अनुवाद का आयोजन किया गया।

वर्ष 2024-25 के संयुक्त हिन्दी पखवाड़े के अवसर पर विविध कंपनियों एवं कार्यालयों में कर्मचारियों के लिए निम्नलिखित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया :- कविता रचना, निबंध रचना, कविता पाठ, सुगम संगीत (पुरुष और महिलाएं), प्रश्नोत्तरी, अंताक्षरी आदि। इसके अतिरिक्त संसदीय राजभाषा समिति की नई प्रश्नावली पर सदस्य कार्यालयों के हिन्दी कर्मियों एवं समन्वयकों के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन बीएसएनएल सीएनटीएक्स में 07.02.2025 को चलायी गयी। छोटे सदस्य कार्यालयों के लिए संयुक्त हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गयी, एचपीसीएल, कोची में कर्मचारियों के लिए राजभाषा अभिमुखीकरण कार्यक्रम, बीएसएनएल भवन में तकनीकी कार्यशाला और एफएसीटी में राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। समापन समारोह और विजेताओं का पुरस्कार वितरण बीपीसीएल कोची रिफाइनरी के टाउनशिप में किया जाएगा। इस अवसर पर वर्ष 2023-24 के लिए विविध श्रेणियों में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए सदस्य कार्यालयों को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।

राजभाषा चेतना कार्यक्रम

हिन्दुस्तान ओर्गेनिक केमिकल्स लिमिटेड, अंबलमुगल, कोच्ची के तत्वावधान में केरल के विभिन्न विश्वविद्यालयों/ महाविद्यालयों के हिन्दी छात्रों के लिए 2024 अगस्त - सितंबर महीनों के दौरान 'राजभाषा चेतना कार्यक्रम' का आयोजन किया गया । पिछले कई सालों से हमें यह प्रतीत हो रहा है कि केरल के विश्वविद्यालयों तथा कॉलेजों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले हिन्दी छात्र, राजभाषा क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न रोज़गार के अवसरों की जानकारी, आज के बदलते परिवेश में प्रौद्योगिकी विषयक अद्यतन जानकारी एवं इस दिशा में आवश्यक कौशल संवर्धन के साधन आदि से वंचित हैं, जिससे वे अन्य विषयों के छात्रों की तुलना में नौकरी पाने में बहुत पीछे रह जाते हैं। हिन्दी छात्रों की इन कमियों को दूर करने एवं उनकी इस दिशा में क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से ही राजभाषा चेतना कार्यक्रम आयोजित करने का प्रयास किया गया है । एच ओ सी एल के नेतृत्व में राजभाषा के प्रचार - प्रसार के कार्यक्रमों के अलावा कार्यालय के बाहर एक 'आउट रीच कार्यक्रम' या 'सेमिनार' के रूप में इसका संचालन विभिन्न कैम्पसों में किया गया जिसकी संक्षिप्त रिपोर्ट निम्नप्रकार है :

गवर्नमेंट विक्टोरिया कॉलेज, पालक्काड

राजभाषा चेतना कार्यक्रम की शुरुआत कासरगोड जिले में 2024 फरवरी - मार्च महीने में हुआ था। इसके द्वितीय चरण की शुरुआत दिनांक 07.08.2024 को हुई। कालीकट विश्वविद्यालय के अधीन पालक्काड स्थित गवर्नमेंट विक्टोरिया कॉलेज के हिन्दी स्नातक छात्रों के लिए पहला कार्यक्रम रखा गया। उपर्युक्त तारीख को सुबह 10.00 बजे कार्यक्रम का उदघाटन कॉलेज के प्रिन्सिपल डॉ नजीब पी एम ने किया और राजभाषा संबंधी कार्यक्रम आयोजित करने के उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने आशा प्रकट की कि कॉलेज के छात्रों के कौशल संवर्धन एवं राजभाषा संबंधी जानकारी बढ़ाने एवं उनको सक्षम बनाने के लिए चेतना कार्यक्रम सफल हो जाएगा। उदघाटन सत्र के अवसर पर श्री के के रामचंद्रन

ने हिन्दी विभाग द्वारा प्रकाशित मैगजीन का विमोचन भी किया गया ।

छात्रों द्वारा तैयार पत्रिका के प्रकाशन में संकाय सदस्य एवं विभागाध्यक्षा और सभा का दृश्य

हिन्दी बी ए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के 90 छात्र - छात्राओं ने कार्यक्रम में भाग लिया ।

कार्यक्रम के पहले सत्र में श्री पी के पद्मनाभन, वरिष्ठ प्रबन्धक (से नि), भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि., कोयंबत्तूर ने 'जीवन में सफलता कैसे हासिल करें' विषय पर पी पी टी के माध्यम से संचालित सत्र छात्रों के लिए अत्यंत रोचक एवं लाभदायक सिद्ध हुआ । श्री पद्मनाभन ने बहुत सरल तरीके से जीवन की कठिनाइयों को पार करने एवं भाषाई निपुणता को बढ़ाने के सरल तरीके हिन्दी साहित्य एवं सामान्य विषय के उदाहरण के माध्यम से छात्रों को समझाया जो छात्रों के लिए एक नया अनुभव रहा ।

द्वितीय सत्र में श्री के के रामचंद्रन, उप निदेशक (से नि), आयकर विभाग, कोच्ची ने राजभाषा एवं हिंदी साहित्य से संबंधित प्रश्नोत्तरी के माध्यम से छात्र-छात्राओं को जानकारी प्रदान की। हिन्दी में उपलब्ध अद्यतन सॉफ्टवेयर एवं यूनिकोड के बारे में भी उन्होंने पी पी टी के सहारे जानकारी दी जो छात्रों के लिए अत्यंत लाभदायक प्रतीत हुई।

कार्यक्रम के तीसरे चरण में श्री ओ रमेश, मुख्य प्रबन्धक (रा भा), एच ओ सी एल ने हिन्दी में रोजगार के अवसरों के बारे में छात्रों को अवगत कराया। विभिन्न मंत्रालय, केंद्र सरकारी कार्यालय, स्वायत्त संगठन,सार्वजनिक उपक्रम, शिक्षा संस्थान, निजी क्षेत्र जैसे विभिन्न क्षेत्रों हिन्दी में उच्च शिक्षा प्राप्त छात्रों के लिए नौकरी के जो अवसर है, उनपर पी पी टी के माध्यम से उन्होंने छात्रों का ध्यान आकर्षित किया । कार्यक्रम के अंत में फीडबैक के दौरान छात्रों ने बताया कि अब तक नौकरी पाने के लिए उनकी तलाश केवल शिक्षा के क्षेत्र तक सीमित थी लेकिन अभी पता चला है कि हिन्दी छात्रों के लिए इतना विशाल क्षेत्र मौजूद है।

कार्यक्रम के अंत में डॉ जयश्री, सहायक आचार्य ने सभी को कृतज्ञता ज्ञापित की । सभी प्रतिभागी छात्रों को एच ओ सी एल द्वारा प्रायोजित मेमेंटों भी प्रदान किए गए ।

एन एस एस कॉलेज, ओट्टापालम, पालक्काड जिला

कालीकट विश्वविद्यालय के अधीन कार्यरत एन एस एस कॉलेज ओट्टापालम के हिन्दी विभाग में दिनांक 08. 08. 2024 को सुबह 10.00 बजे से अपराहन 04.30 बजे तक राजभाषा चेतना कार्यक्रम का आयोजन किया गया । सुबह 10.00 बजे कॉलेज के प्राचार्य डॉ सजीव के ने कार्यक्रम का औपचारिक उदघाटन किया। उन्होंने अपने उदघाटन भाषण में बताया कि समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन निश्चय ही छात्रों में नई उमंग पैदा करेगी और उनके कौशल संवर्धन के लिए ऐसा कार्यक्रम ज़रूर लाभदायक सिद्ध होगा । उन्होंने छात्रों को अवगत कराया कि केंद्र सरकार के अधीन विभिन्न विभागों, कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी से संबन्धित बहुत सारे पद है जिसे मिलने के लिए निरंतर प्रयास करना अत्यंत आवश्यक है । डॉ मंजुला पी एस, सहायक आचार्य ने अपने अध्यक्षीय भाषण

कार्यक्रम में सहायक आचार्य डॉ मंजुला पी एस एवं प्रतिभागी छात्रों की झलक

में ऐसा एक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एच ओ सी एल को धन्यवाद दिया और कार्यक्रम में उपस्थित संकाय सदस्यों सहित सभी का हार्दिक स्वागत भी किया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में श्री पी के पद्मनाभन ने छात्रों को खेल के माध्यम से बोलचाल की हिन्दी में बात करने का अभ्यास

सत्र चलाते हुए श्री पी के पद्मनाभन और श्री ओ रमेश

सिखाया एवं अपने जीवन को सफलता की ओर ले जाने की मुख्य बिन्दुओं पर पी पी टी के माध्यम से अवगत कराया।

श्री के के रामचंद्रन एवं श्री ओ रमेश ने द्वितीय और तृतीय सत्र में क्रमशः राजभाषा नीति, हिन्दी में विभिन्न तकनीकी सॉफ्टवेयर का परिचय तथा हिन्दी छात्रों के लिए नौकरी के विभिन्न एवन्यू के बारे में विस्तार से पी पी टी के माध्यम से समझाया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया से ऐसा महसूस हुआ कि पूरा कार्यक्रम उनके लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध हुआ जिसके लिए उन्होंने संकाय सदस्यों को धन्यवाद दिया । कार्यक्रम में करीब 100 छात्रों ने भाग लिया और सभी को कार्यक्रम के अंत में एच ओ सी एल द्वारा प्रायोजित मेमेंटों प्रदान किए गए।

गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइन्स कॉलेज मींचन्दा, कोषिक्कोड

गवर्नमेंट आर्ट्स एंड साइन्स कॉलेज, मींचन्दा, कोषिक्कोड में दिनांक 02.09.2024 को सुबह 10.00 बजे से सायं 04.00 बजे तक राजभाषा चेतना कार्यक्रम का आयोजन किया गया । हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ भार्गवन के ने कार्यक्रम का उदघाटन किया और संकाय सदयों एवं सभी उपस्थितों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

भले ही हिन्दी एम ए एवं रिसर्च स्कॉलर सहित बहुत कम छात्र ही इस सेंटर में अध्ययन कर रहे हैं, लेकिन विषय के प्रति उनकी रुचि एवं अपनी कुशलता बढ़ाने के अपने संकल्प से यह महसूस हुआ कि वे निश्चय ही अन्य कॉलेज के छात्रों से बहुत आगे हैं । श्री पी के पद्मनाभन एवं श्री ओ रमेश ने अपनी-अपनी अध्यापन शैली में छात्रों का ध्यान विषय की ओर आकर्षित किया । जीवन को सार्थक एवं सफल कैसे बना दें, भाषाई निपुणता कैसे बढ़ाएं, राजभाषा नीति संबंधी जानकारी, हिन्दी के नए सॉफ्टवेयर की जानकारी, हिन्दी छात्रों के लिए नौकरी के अवसर आदि विभिन्न विषयों पर छात्रों को अवगत कराया । कार्यक्रम के अंत में छात्रों की प्रतिक्रिया से पता चला कि वे इस कार्यक्रम से बहुत प्रभावित हुए । सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम के अंत में एच ओ सी एल द्वारा प्रायोजित स्मृति चिह्न भेंट किया गया।

उद्घाटन सत्र में भाषण देते हुए विभागाध्यक्ष डॉ भार्गवन एवं सभा का दृश्य

सत्र चलाते हुए श्री पी के पद्मनाभन, श्री के के रामचंद्रन और श्री ओ रमेश

हिन्दी विभाग कालीकट विश्वविद्यालय

विख्यात कालीकट विश्वविद्यालय के, एम ए हिन्दी छात्रों के लिए दिनांक 03.09.2024 को राजभाषा चेतना कार्यक्रम का आयोजन किया गया जो प्रतिभागी छात्रों के लिए एक नया अनुभव रहा। कार्यक्रम का औपचारिक उदघाटन विभागाध्यक्ष डॉ के वी सुब्रमण्यन ने किया । उन्होंने अपने उदघाटन भाषण में बताया कि राजभाषा छात्रों की कुशलता एवं ज्ञान संवर्धन में चेतना कार्यक्रम जैसे कार्यक्रमों का आयोजन निश्चय ही सहायक सिद्ध होगा । हिन्दी विभाग के अन्य सहायक आचार्यों ने राजभाषा चेतना कार्यक्रम आयोजित करने के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए, ऐसे एक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एच ओ सी को अपनी कृतज्ञता ज्ञपित की ।

श्री पी के पद्मनाभन, श्री के के रामचंद्रन एवं श्री ओ रमेश ने यथाक्रम 'जीवन में सफलता कैसे हासिल करें', राजभाषा नीति एवं हिन्दी में उपलब्ध इलक्ट्रोनिक सुविधाएं

विभागाध्यक्ष डॉ के वी सुब्रमण्यन उदघाटन भाषण देते हुए

प्रतिभागी छात्र का दृश्य

तथा हिन्दी छात्रों के लिए नौकरी की संभावनाएं आदि विषय पर विस्तार से व्याख्यान दिये। सभी छात्र - छात्राओं ने इन सत्रों का पूरा फायदा उठाया और फीडबैक के दौरान बताया कि अभी तक इस तरह का एक बेहतरीन कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया गया जिस पर उन्होंने अपना संतोष व्यक्त किया । कार्यक्रम में करीब 120 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों को एच ओ सी एल की तरफ से स्मृतिचिह्न भेंट किए गए ।

द जमोरिन्स गुरुवायूरप्पन कॉलेज, कोषिक्कोड

द जमोरिन्स गुरुवायूरप्पन कॉलेज, कोषिक्कोड कैम्पस में दिनांक 04.09.2024 को राजभाषा चेतना कार्यक्रम का आयोजन किया गया । दिनांक 04.09.2024 को सुबह 10.00 बजे आयोजित उक्त कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ इन्दुलेखा पी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। सहायक आचार्य डॉ रेश्मी यू एम ने स्वागत भाषण दिया और अपने भाषण में ऐसे एक ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एच ओ सी एल को धन्यवाद दिया ।

कार्यक्रम में बी ए के करीब सत्तर छात्र - छात्राओं ने भाग लिया । प्रथम सत्र श्री पी के पद्मनाभन द्वारा अत्यंत प्रभावशाली ढंग से हिन्दी भाषा के माध्यम से जीवन को सार्थक बनाने की सरल तरीकों पर संक्षिप्त व्याख्यान दिया जिससे छात्र-छात्राओं को अपने जीवन लक्ष्य तय करने में एक नई दिशा प्राप्त हुई ।

प्राचार्य डॉ इन्दुलेखा पी द्वारा सम्बोधन

श्री के के रामचंद्रन ने द्वितीय सत्र में हिन्दी के व्यावहारिक पक्ष पर ज़ोर देते हुए राजभाषा के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। आज के परिवर्तनशील युग में हिन्दी के क्षेत्र में विकसित विभिन्न सॉफ्टवेयर, यूनिकोड आदि पर भी उन्होंने संक्षिप्त व्याख्यान दिया । पी पी टी के माध्यम से चलाया गए सत्र का पूरा लाभ छात्रों ने उठाया ।

कार्यक्रम के प्रतिभागी गण अध्यापक एवं संकाय सदस्यों के साथ

कार्यक्रम का तीसरे सत्र का संचालन 'राजभाषा एवं रोजगार के अवसर' विषय पर श्री ओ रमेश ने किया । उन्होंने केंद्र सरकार, राज्य सरकार, निजी क्षेत्र, विदेश आदि विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध विभिन्न पदों के बारे में पी पी टी के साहरे विस्तार से चर्चा की जिससे छात्रों को अपनी नौकरी तलाशने के लिए एक नई दिशा प्राप्त हुई ।

कार्यक्रम के अंत में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए छात्रों ने बताया कि यह कार्यक्रम उनके लिए अत्यंत उपयोगी प्रतीत हुआ । छात्रों को ज्ञान के एक अलग दुनिया में ले जाने में सभी संकाय सफल हुए हैं । सभी प्रतिभागियों को एच ओ सी एल द्वारा प्रायोजित मेमेंटो भी प्रदान किए गए ।

सरकारी महिला उच्च माध्यमिक विद्यालय तृप्पूणित्तुरा में प्रतियोगता का आयोजन

संघ सरकार की राजभाषा हिन्दी के महत्व के प्रचार - प्रसार एवं उसके प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से सरकारी महिला उच्च माध्यमिक विद्यालय तृप्पूणित्तुरा, एर्णाकुलम के 10वीं कक्षा के छात्राओं को उनके विद्यालय में दो हिंदी प्रतियोगताएँ यथा वाचन एवं लेखन का आयोजन किया गया और विजेताओं का पुरस्कार वितरण हिन्दी पखवाड़े के समापन समारोह में किया गया।

एम ए कॉलेज, कोतमंगलम के हिन्दी विभाग में "राजभाषा" विषय पर कक्षा चलाया

दिनांक 09 जनवरी 2025 को सरकारी कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वियन और इस क्षेत्र में उपलब्ध विविध रोजगार के अवसर एवं हिन्दी पढ़ने से उपलब्ध विभिन्न अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सुबह 10 बजे से मध्याह्न 1 बजे तक एक सत्र का आयोजन एम ए कॉलेज, कोतमंगलम के हिन्दी विभाग में किया गया। इस कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों द्वारा राजभाषा के विभिन्न पहलुओं पर तथा राजभाषा के क्षेत्र में उपलब्ध रोज़गार के अवसरों की जानकारी प्रदान की गयी।

<u>राजभाषा गृह पत्रिका “पहचान” का वर्ष 2024 – 25 में दोनों अंकों का प्रकाशन (सितंबर 2024/ मार्च 2025)</u>

राजभाषा को समर्पित कंपनी की गृह पत्रिका “पहचान” के दो अंकों में एक का सितंबर 2024 में और दूसरे का प्रकाशन मार्च 2025 में किया गया है। पत्रिका में कर्मचारियों की विविध रचनाएं/ कार्यालय में आयोजित विविध गतिविधियों की रिपोर्ट शामिल हैं। दोनों अंक को राजभाषा विभाग की वेबसाइट में अपलोड की गयी है।

<u>21 फरवरी 2025 को</u>
<u>अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन</u>

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 21 फरवरी 2025 को मनाया गया। इस अवसर पर मातृभाषा के महत्व और भारत की संस्कृति के अभिन्न तत्व के रूप में इसे बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसके दौरान हमारी कंपनी में विभिन्न मातृभाषा के कर्मचारियों के लिए "मेरी भाषा–मेरा गर्व" विषय पर निबंध प्रतियोगिता चलायी गयी। कर्मचारियों को अपनी–अपनी मातृभाषाओं में निबंध लिखने की सुविधा दी गई और हिंदी, मलयालम, मराठी और तमिल भाषाओं में कर्मचारियों ने निबंध लिखा।

हिन्दी तकनीकी कार्यशाला 26.03.2025 को सम्पन्न

तकनीकी क्षेत्र में हो रहे परिवर्तन की अद्यतन जानकारी प्रदान करने और राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल्स लिमिटेड, अंबलमुगल, कोच्चि के राजभाषा कार्यान्वियन समिति के सदस्यों के लिए 26 मार्च 2025 को "राजभाषा तकनीकी कार्यशाला" का आयोजन किया गया। संकाय सदस्य श्री किरण अय्यर, हिन्दी अनुवाद अधिकारी, सीमाशुल्क विभाग, कोच्चि ने कक्षा का संचालन किया।

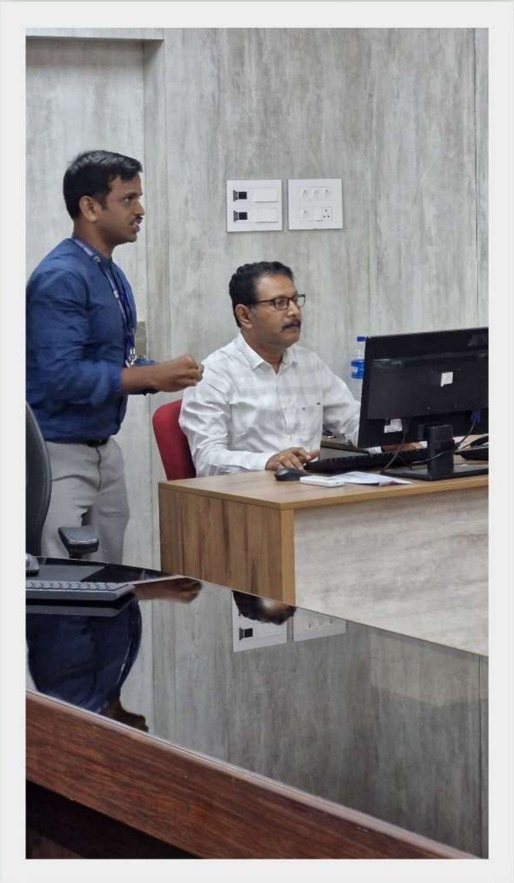

🏢 प्रायोगिक कम्प्यूटर प्रशिक्षण – 21.09.2024 & 11-13 मार्च 2025 💻

राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने और कंप्यूटर में अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करने के लिए प्रोत्साहन देने के लिए 21.09.2024 को और 11 से 13 मार्च 2025 तक चार प्रायोगिक कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया गया। इनमें 24 अधिकारियों और कर्मचारियों को कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया गया।

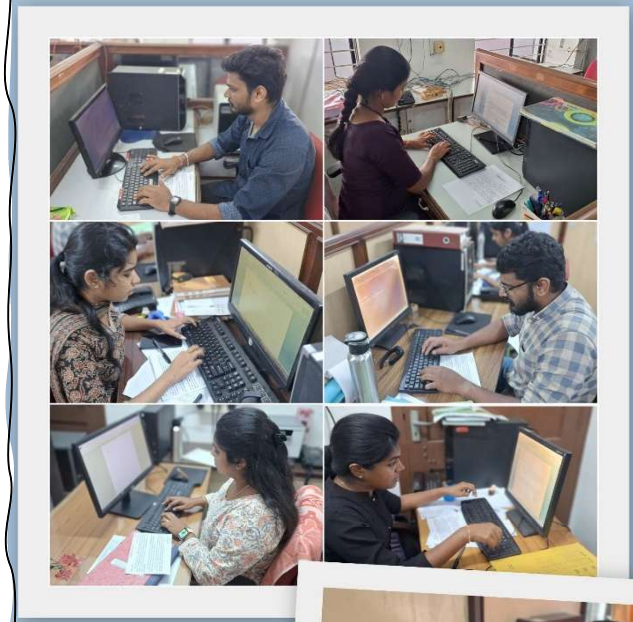

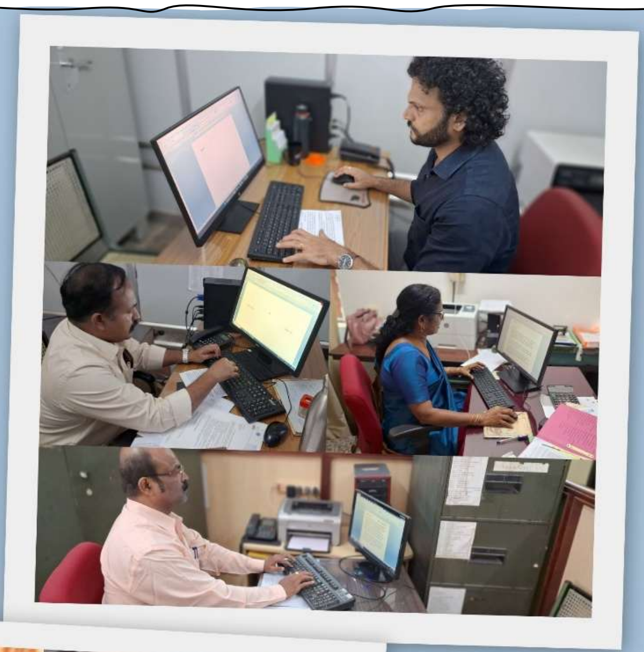

****

केन्द्रीय अनुवाद ब्युरो द्वारा पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

केन्द्रीय अनुवाद ब्युरो, नई दिल्ली द्वारा 08 से 12 जुलाई 2024 तक नई दिल्ली में आयोजित पाँच दिवसीय संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम में हमारी कंपनी के मुख्य प्रबंधक (मानव संसाधन/ राजभाषा) ने भाग लिया।

****

नगर की विभिन्न राजभाषा संगोष्ठी/ कार्यशाला में भागीदारी।

नगर स्थित विविध कार्यालयों यथा पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन (10/05/2024), कोको एवं काजू निदेशालय (25/06/2024) कोचीन शिपयार्ड (22/11/2024), एचपीसीएल (18/02/2025), एफ़एसीटी (19/2/2025) द्वारा आयोजित द्वारा राजभाषा संगोष्ठी / कार्यशालाओं में हमारी कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

****

राजभाषा प्रबंधन कार्यक्रम का आयोजन

संघ की राजभाषा नीति के सफल कार्यान्वयन के लिए हमारी कंपनी के मुख्य प्रबंधक / महा प्रबंधक / विभागाध्यक्षों के लिए 13 जून 2024 को राजभाषा प्रबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका संचालन भारतीय रिजर्व बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक डॉ मधूशील आयिलत ने किया और उन्होंने प्रतिभागियों की राजभाषा संबंधी शंकाओं का निवारण किया एवं राजभाषा पर अद्यतन तकनीकी प्रगति की जानकारी भी दी।

****

हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन

संघ का राजकीय कार्य हिन्दी में करने के लिए कर्मचारियों को प्रोत्साहन एवं प्रेरणा देने के लिए हमारी कंपनी में प्रत्येक तिमाही में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। समय-समय पर प्रशिक्षण देने से वे अपना कार्य हिन्दी में आसानी से कर सकते हैं। इस सिलसिले में हमारी कंपनी में 14/06/2024, 23/08/2024, 19/12/2024 और 26/03/2025 को चार हिन्दी कार्यशालों का आयोजन किया गया। सभी कार्मिकों को राजभाषा नीति की जानकारी एवं प्रायोगिक प्रशिक्षान भी दिए गए। इन कार्यशालाओं 60 अधिकारियों और 12 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

विशेष हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन

संघ की राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वियन हेतु प्रोत्साहन एवं प्रेरणा देने तथा कार्यान्वियन में प्रत्येक विभाग की भूमिका से अवगत कराने और संसदीय राजभाषा समिति की नई प्रश्नावली से परिचित कराने के लिए दिनांक 13.11.2024 को आयोजित राजभाषा की बैठक में हमारी इकाई के सभी विभागों के लिए विशेष हिंदी कार्यशालाएं आयोजित करने का निर्णय लिया गया था। इसके अनुपालनार्थ सभी विभागों/अनुभागों के अनुसचिवीय/ प्रशासनिक कार्मिकों के लिए सात विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। दिनांक 19/12/24, 14/2/25, 21/02/25, 24/02/25, 20/03/25, 21/03/25 और 25/03/25 को कुल सात विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन

कंपनी में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा करने एवं हिन्दी के प्रयोग को सुगम बनाने के लिए सुझाव देने के लिए गठित विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की कुल चार बैठकों का आयोजन यथा 08.05.2024, 14.08.2024, 13.11.2024 और 19.02.2025 को आयोजित की गयी। इन बैठकों में कंपनी में राजभाषा के प्रयोग बढ़ाने के लिए विविध उपायों पर चर्चा की गयी और आयोजित विविध गतिविधियों की समीक्षा भी की गयी।

****

मूल रूप से हिंदी में काम करने के लिए नकद पुरस्कार योजना

मूल रूप से हिंदी में काम करने के लिए प्रोत्साहन योजना हमारी कंपनी में वर्ष १९९५ से लागू है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रतिवर्ष उनके द्वारा हिन्दी में किए गए काम के आधार पर नकद पुरस्कार दिए जाते हैं। प्रतिवर्ष जनवरी से दिसम्बर तक की अवधि में हिन्दी में कम से कम 2000 शब्द लिखने वाले कर्मचारी नकद पुरस्कार के लिए पात्र हैं। वर्ष 2024 में कुल 15 कर्मचारियों ने इस योजना में भाग लेकर नकद पुरस्कार प्राप्त किया।

नकद पुरस्कार के लिए योग्य कर्मचारियों की सूची

List of Eligible Employees for Cash Incentive

(1 जनवरी Jan 2024 से 31 दिसम्बर Dec 2024 तक)

क्रम सं Sl. No.	नाम Name		विभाग Department	कार्मिक सं Pers. No.
1	श्री अभिलाष आर	Sri. Abhilash R	मानव संसाधन HR	11100738
2	सुश्री लक्ष्मी देवी के एस	Ms. Lakshmi Devi K S	यांत्रिक Mechanical	11206346
3	श्री निधिन वी वी	Sri. Nidhin V V	मानव संसाधन HR	11206489
4	श्री सूरज आई एस	Sri. Suraj I S	मानव संसाधन HR	11206491
5	सुश्री षीबा वी एम	Ms. Sheeba V M	मानव संसाधन HR	11206493
6	सुश्री उषा पी आर	Ms. Usha P R	मानव संसाधन HR	11408014
7	श्री बीजू सी जे	Sri. Biju C J	मानव संसाधन HR	11206357
8	सुश्री नीतू एस	Ms. Neethu S	वित्त Finance	11206488
9	श्री नितिन आर पेंढारकर	Sri. Nitin R Pendharkar	प्रशासन Admn.	12104935
10	श्री विनोदकुमार के वी	Sri. Vinodhkumar K V	मानव संसाधन HR	11206395
11	सुश्री षीजा टी पी	Ms. Sheeja T P	मानव संसाधन HR	11408080
12	श्री संजय प्रकाश गायकर	Sri. Sanjay P Gaikar	एफ एंड एस F & S	12104860
13	सुश्री सुभगा एल एस	Ms. Subhaga L S	वित्त Finance	11505431
14	सुश्री अधीना मोल ए	Ms. Adheena Mol	सामग्री Materials	11800052
15	सुश्री दिव्या जॉणी	Ms. Divya Johny	मानव संसाधन HR	11800051

आज का शब्द

सरकारी कार्यों में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए सरल शब्दों का अधिकाधिक प्रयोग करने पर ज़ोर दिया जाता है। हमारी इकाई के विभिन्न विभागों द्वारा कार्यालयीन कार्यों में प्रयुक्त होने वाली तकनीकी एवं प्रशासनिक हिन्दी शब्दावली से परिचित कराने के उद्देश्य से प्रत्येक कार्यदिवस बार-बार प्रयुक्त होने वाले अंग्रेजी तथा हिन्दी के समानार्थक शब्दों को ईमेल द्वारा सभी को प्रदान किया जाता है। इसमें विशेष दिन की सूचना भी हिन्दी में दी जाती है। कंपनी के राजभाषा अनुभाग द्वारा "आज का शब्द" भी भेजा जाता है।

अनुभाग/विभागवार राजभाषा निरीक्षण

राजभाषा कार्यान्वयन में हो रही कठिनाइयों एवं शंकाएं दूर करने तथा कार्यान्वयन सुगम बनाने में मदद करने एवं कार्यान्वयन में हुई प्रगति का जायजा लेने के लिए समय-समय पर विभिन्न अनुभागों और विभागों का निरीक्षण किया जाता है। कंपनी के प्रत्येक विभाग/अनुभाग का राजभाषा संबंधी निरीक्षण 14 से 26 मार्च 2025 तक किया गया। संबंधित विभागों/अनुभागों में उपलब्ध फाइलों और रजिस्टरों में हिन्दी के प्रयोग, कंप्यूटर में युनिकोड की सुविधा, ईमेल द्वारा हिन्दी पत्राचार, धारा 3(3) एवं नियम 11 का अनुपालन आदि की स्थिति की जांच की गयी और आवश्यक सुझाव दिए गए। राजभाषा कार्यान्वयन अधिक कारगर बनाने के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए गए।

हिंदी पुस्तकों की खरीदी

राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार हमारी कंपनी में प्रतिवर्ष हिन्दी पुस्तकों की खरीदी की जाती है। खरीदी की जानेवाली स्तरीय पुस्तकों में वैज्ञानिक, शब्दावली और संदर्भ ग्रंथ भी शामिल है। इसके अतिरिक्त यात्रा विवरण, आत्मकथा, कविता, उपन्यास,नाटक और समसामयिक विषयों की पुस्तकों की खरीदी जाती है। भारत सरकार के प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित "भारत 2024" की खरीदी गयी।

विविध दिन/दिवस समारोह के अवसर पर हिन्दी का प्रयोग

हमारी कंपनी में मंत्रालय के निदेशानुसार आयोजित विविध दिवस समारोह या विभिन्न गतिविधियों के अवसर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में हिन्दी का प्रयोग सुनिश्चित किया जाता है। चाहे यह स्वच्छ भारत अभियान हो या सतर्कता जागरूकता सप्ताह या अन्य कोई समारोह हो, में हिन्दी का प्रयोग बैनर, पीपीटी या ब्रोशर में सुनिश्चित किया जाता है।